

WOAIZHONGHUA
CONG SHU

我爱中华丛书

边陲风情



张振芝 编写 •

• 吉林教育出版社 •

K92/5

我爱中华丛书

边陲风情

张振芝 编写

吉林教育出版社

1992年·长春

35832

责任编辑: 邵迪新 张景良

封面设计: 李 佳

插 图: 杨玉忠

我爱中华丛书

边陲风情

张振芝 编写

*

吉林教育出版社出版

(长春市同志街 55 号)

国家教委图书馆工作委员会装备用书

长春科技印刷厂印刷

*

787×1092 毫米 32 开本 4 印张 64 千字

1992 年 8 月第 1 版 1995 年 1 月第 2 次印刷

印数 10167—26166 册

ISBN 7—5383—1707—4/G · 1499 定价: 2.30 元

《我爱中华》丛书编辑委员会

主编 贾斌

编委 (以姓氏笔画为序)

尹世霖 艾玲 李路

李宝义 金恒星 张满隆

贾斌 贾非贤 高质慧

顾问 叶君健 韩作黎 罗英

前 言

我们的祖国山河壮丽，历史悠久，我们的人民勤劳勇敢，人才辈出；中国共产党领导亿万人民，披荆斩棘，推翻了三座大山，把中国革命从胜利引向更大的胜利；我们的社会主义制度，显示着无比的优越性，四化建设日新月异，新型的人际关系可歌可泣。

为了培养少年儿童热爱祖国、热爱人民、热爱中国共产党和热爱社会主义的思想感情，帮助他们了解我国的国情和中华民族优良传统，树立民族自尊心、自信心和自豪感，我们编辑出版了这一套《我爱中华》丛书。

这套丛书的主要特点是把弘扬中华民族优秀文化和“四热爱”教育、国情教育结合起来。这套丛书已经出版两辑（16本），现在又推出第三辑（8本）。第三辑从不同的角度，用具体感人的题材，深入浅出、生动活泼地介绍祖国的锦绣山河，把思想性、知识性和可读性融为一体，希望能引起小读者们阅读兴趣。第三辑8本书是：

《园林揽胜》将丰富的历史知识、有趣的故事传说融为一体，介绍了我国园林的历史发展和特色，使读者对著名的园林有一个概貌的了解。

《古迹精华》则介绍了故宫、长城、北京人遗址、敦煌莫高窟和秦始皇陵等举世闻名的华夏古迹。

《海疆巡礼》引导读者从渤海湾出发，越黄海，过东海，游

遍南海，使我们不仅巡视了万里海疆，更对沿海的岛屿、港口和城市有了详细的了解，增强了开发祖国海疆的信心。

《边陲风情》以流畅的语言，动人的故事，讲述了祖国边陲的风土人情，从白山黑水，写到内蒙草原，又从天山南北、世界屋脊，写到云南边疆，各民族的风情引人入胜。

《浩荡江河》介绍了祖国第一大河长江、民族的摇篮黄河、史无前例的京杭大运河，并以地理知识为主，穿插历史、民俗、旅游等知识，激起读者对祖国河山的热爱之情。

《巍巍五岳》介绍了我们伟大祖国的掌上明珠：东岳泰山、西岳华山、南岳衡山、北岳恒山、中岳嵩山。

《中华古都》通过介绍我国的七大古都安阳、西安、洛阳、开封、杭州、南京、北京，使读者开阔了眼界，增长了知识。

《自然奇观》使读者领略了卧龙、神农架、西双版纳、天鹅湖、扎龙、长白山等自然保护区神奇而美丽的风光。

《我爱中华》丛书由辽宁教育出版社、吉林教育出版社、黑龙江教育出版社、东北朝鲜民族教育出版社联合出版。我们注意要使这套丛书具有长期保存价值，并陆续地出下去，目标是出成“中华文库”。

目 录

| | |
|------------|------|
| 白山黑水..... | (1) |
| 长白揽胜..... | (2) |
| 天池神韵..... | (6) |
| 延边风情 | (10) |
| 五大连池 | (15) |
| 黑水漠河 | (20) |
| | |
| 内蒙草原 | (24) |
| 兴安林海 | (24) |
| 千里牧物 | (28) |
| 青城访古 | (33) |
| 塞上珍珠 | (37) |
| 草原新城 | (41) |
| | |
| 天山南北 | (46) |
| 天山风采 | (47) |
| 哈密瓜香 | (51) |
| 伊犁河谷 | (55) |
| 沙漠绿洲 | (60) |

| | |
|-------|-------|
| 古道新貌 | (65) |
| 世界屋脊 | (72) |
| 地球之巅 | (73) |
| 日光之城 | (77) |
| 奇兽异草 | (82) |
| 高原地热 | (87) |
| 西藏江南 | (91) |
| 云南边陲 | (96) |
| 苍山洱海 | (96) |
| 春城花潮 | (102) |
| 石林奇观 | (106) |
| 西双版纳 | (111) |
| 民族之乡 | (116) |
| (1) | |
| (2) | |
| (3) | |
| (4) | |
| (5) | |
| (6) | |
| (7) | |
| (8) | |
| (9) | |
| (10) | |
| (11) | |
| (12) | |
| (13) | |
| (14) | |
| (15) | |
| (16) | |
| (17) | |
| (18) | |
| (19) | |
| (20) | |
| (21) | |
| (22) | |
| (23) | |
| (24) | |
| (25) | |
| (26) | |
| (27) | |
| (28) | |
| (29) | |
| (30) | |
| (31) | |
| (32) | |
| (33) | |
| (34) | |
| (35) | |
| (36) | |
| (37) | |
| (38) | |
| (39) | |
| (40) | |
| (41) | |
| (42) | |
| (43) | |
| (44) | |
| (45) | |
| (46) | |
| (47) | |
| (48) | |
| (49) | |
| (50) | |
| (51) | |
| (52) | |
| (53) | |
| (54) | |
| (55) | |
| (56) | |
| (57) | |
| (58) | |
| (59) | |
| (60) | |
| (61) | |
| (62) | |
| (63) | |
| (64) | |
| (65) | |
| (66) | |
| (67) | |
| (68) | |
| (69) | |
| (70) | |
| (71) | |
| (72) | |
| (73) | |
| (74) | |
| (75) | |
| (76) | |
| (77) | |
| (78) | |
| (79) | |
| (80) | |
| (81) | |
| (82) | |
| (83) | |
| (84) | |
| (85) | |
| (86) | |
| (87) | |
| (88) | |
| (89) | |
| (90) | |
| (91) | |
| (92) | |
| (93) | |
| (94) | |
| (95) | |
| (96) | |
| (97) | |
| (98) | |
| (99) | |
| (100) | |
| (101) | |
| (102) | |
| (103) | |
| (104) | |
| (105) | |
| (106) | |
| (107) | |
| (108) | |
| (109) | |
| (110) | |
| (111) | |
| (112) | |
| (113) | |
| (114) | |
| (115) | |
| (116) | |
| (117) | |
| (118) | |
| (119) | |
| (120) | |
| (121) | |
| (122) | |
| (123) | |
| (124) | |
| (125) | |
| (126) | |
| (127) | |
| (128) | |
| (129) | |
| (130) | |
| (131) | |
| (132) | |
| (133) | |
| (134) | |
| (135) | |
| (136) | |
| (137) | |
| (138) | |
| (139) | |
| (140) | |
| (141) | |
| (142) | |
| (143) | |
| (144) | |
| (145) | |
| (146) | |
| (147) | |
| (148) | |
| (149) | |
| (150) | |
| (151) | |
| (152) | |
| (153) | |
| (154) | |
| (155) | |
| (156) | |
| (157) | |
| (158) | |
| (159) | |
| (160) | |
| (161) | |
| (162) | |
| (163) | |
| (164) | |
| (165) | |
| (166) | |
| (167) | |
| (168) | |
| (169) | |
| (170) | |
| (171) | |
| (172) | |
| (173) | |
| (174) | |
| (175) | |
| (176) | |
| (177) | |
| (178) | |
| (179) | |
| (180) | |
| (181) | |
| (182) | |
| (183) | |
| (184) | |
| (185) | |
| (186) | |
| (187) | |
| (188) | |
| (189) | |
| (190) | |
| (191) | |
| (192) | |
| (193) | |
| (194) | |
| (195) | |
| (196) | |
| (197) | |
| (198) | |
| (199) | |
| (200) | |
| (201) | |
| (202) | |
| (203) | |
| (204) | |
| (205) | |
| (206) | |
| (207) | |
| (208) | |
| (209) | |
| (210) | |
| (211) | |
| (212) | |
| (213) | |
| (214) | |
| (215) | |
| (216) | |
| (217) | |
| (218) | |
| (219) | |
| (220) | |
| (221) | |
| (222) | |
| (223) | |
| (224) | |
| (225) | |
| (226) | |
| (227) | |
| (228) | |
| (229) | |
| (230) | |
| (231) | |
| (232) | |
| (233) | |
| (234) | |
| (235) | |
| (236) | |
| (237) | |
| (238) | |
| (239) | |
| (240) | |
| (241) | |
| (242) | |
| (243) | |
| (244) | |
| (245) | |
| (246) | |
| (247) | |
| (248) | |
| (249) | |
| (250) | |
| (251) | |
| (252) | |
| (253) | |
| (254) | |
| (255) | |
| (256) | |
| (257) | |
| (258) | |
| (259) | |
| (260) | |
| (261) | |
| (262) | |
| (263) | |
| (264) | |
| (265) | |
| (266) | |
| (267) | |
| (268) | |
| (269) | |
| (270) | |
| (271) | |
| (272) | |
| (273) | |
| (274) | |
| (275) | |
| (276) | |
| (277) | |
| (278) | |
| (279) | |
| (280) | |
| (281) | |
| (282) | |
| (283) | |
| (284) | |
| (285) | |
| (286) | |
| (287) | |
| (288) | |
| (289) | |
| (290) | |
| (291) | |
| (292) | |
| (293) | |
| (294) | |
| (295) | |
| (296) | |
| (297) | |
| (298) | |
| (299) | |
| (300) | |
| (301) | |
| (302) | |
| (303) | |
| (304) | |
| (305) | |
| (306) | |
| (307) | |
| (308) | |
| (309) | |
| (310) | |
| (311) | |
| (312) | |
| (313) | |
| (314) | |
| (315) | |
| (316) | |
| (317) | |
| (318) | |
| (319) | |
| (320) | |
| (321) | |
| (322) | |
| (323) | |
| (324) | |
| (325) | |
| (326) | |
| (327) | |
| (328) | |
| (329) | |
| (330) | |
| (331) | |
| (332) | |
| (333) | |
| (334) | |
| (335) | |
| (336) | |
| (337) | |
| (338) | |
| (339) | |
| (340) | |
| (341) | |
| (342) | |
| (343) | |
| (344) | |
| (345) | |
| (346) | |
| (347) | |
| (348) | |
| (349) | |
| (350) | |
| (351) | |
| (352) | |
| (353) | |
| (354) | |
| (355) | |
| (356) | |
| (357) | |
| (358) | |
| (359) | |
| (360) | |
| (361) | |
| (362) | |
| (363) | |
| (364) | |
| (365) | |
| (366) | |
| (367) | |
| (368) | |
| (369) | |
| (370) | |
| (371) | |
| (372) | |
| (373) | |
| (374) | |
| (375) | |
| (376) | |
| (377) | |
| (378) | |
| (379) | |
| (380) | |
| (381) | |
| (382) | |
| (383) | |
| (384) | |
| (385) | |
| (386) | |
| (387) | |
| (388) | |
| (389) | |
| (390) | |
| (391) | |
| (392) | |
| (393) | |
| (394) | |
| (395) | |
| (396) | |
| (397) | |
| (398) | |
| (399) | |
| (400) | |
| (401) | |
| (402) | |
| (403) | |
| (404) | |
| (405) | |
| (406) | |
| (407) | |
| (408) | |
| (409) | |
| (410) | |
| (411) | |
| (412) | |
| (413) | |
| (414) | |
| (415) | |
| (416) | |
| (417) | |
| (418) | |
| (419) | |
| (420) | |
| (421) | |
| (422) | |
| (423) | |
| (424) | |
| (425) | |
| (426) | |
| (427) | |
| (428) | |
| (429) | |
| (430) | |
| (431) | |
| (432) | |
| (433) | |
| (434) | |
| (435) | |
| (436) | |
| (437) | |
| (438) | |
| (439) | |
| (440) | |
| (441) | |
| (442) | |
| (443) | |
| (444) | |
| (445) | |
| (446) | |
| (447) | |
| (448) | |
| (449) | |
| (450) | |
| (451) | |
| (452) | |
| (453) | |
| (454) | |
| (455) | |
| (456) | |
| (457) | |
| (458) | |
| (459) | |
| (460) | |
| (461) | |
| (462) | |
| (463) | |
| (464) | |
| (465) | |
| (466) | |
| (467) | |
| (468) | |
| (469) | |
| (470) | |
| (471) | |
| (472) | |
| (473) | |
| (474) | |
| (475) | |
| (476) | |
| (477) | |
| (478) | |
| (479) | |
| (480) | |
| (481) | |
| (482) | |
| (483) | |
| (484) | |
| (485) | |
| (486) | |
| (487) | |
| (488) | |
| (489) | |
| (490) | |
| (491) | |
| (492) | |
| (493) | |
| (494) | |
| (495) | |
| (496) | |
| (497) | |
| (498) | |
| (499) | |
| (500) | |
| (501) | |
| (502) | |
| (503) | |
| (504) | |
| (505) | |
| (506) | |
| (507) | |
| (508) | |
| (509) | |
| (510) | |
| (511) | |
| (512) | |
| (513) | |
| (514) | |
| (515) | |
| (516) | |
| (517) | |
| (518) | |
| (519) | |
| (520) | |
| (521) | |
| (522) | |
| (523) | |
| (524) | |
| (525) | |
| (526) | |
| (527) | |
| (528) | |
| (529) | |
| (530) | |
| (531) | |
| (532) | |
| (533) | |
| (534) | |
| (535) | |
| (536) | |
| (537) | |
| (538) | |
| (539) | |
| (540) | |
| (541) | |
| (542) | |
| (543) | |
| (544) | |
| (545) | |
| (546) | |
| (547) | |
| (548) | |
| (549) | |
| (550) | |
| (551) | |
| (552) | |
| (553) | |
| (554) | |
| (555) | |
| (556) | |
| (557) | |
| (558) | |
| (559) | |
| (560) | |
| (561) | |
| (562) | |
| (563) | |
| (564) | |
| (565) | |
| (566) | |
| (567) | |
| (568) | |
| (569) | |
| (570) | |
| (571) | |
| (572) | |
| (573) | |
| (574) | |
| (575) | |
| (576) | |
| (577) | |
| (578) | |
| (579) | |
| (580) | |
| (581) | |
| (582) | |
| (583) | |
| (584) | |
| (585) | |
| (586) | |
| (587) | |
| (588) | |
| (589) | |
| (590) | |
| (591) | |
| (592) | |
| (593) | |
| (594) | |
| (595) | |
| (596) | |
| (597) | |
| (598) | |
| (599) | |
| (600) | |
| (601) | |
| (602) | |
| (603) | |
| (604) | |
| (605) | |
| (606) | |
| (607) | |
| (608) | |
| (609) | |
| (610) | |
| (611) | |
| (612) | |
| (613) | |
| (614) | |
| (615) | |
| (616) | |
| (617) | |
| (618) | |
| (619) | |
| (620) | |
| (621) | |
| (622) | |
| (623) | |
| (624) | |
| (625) | |
| (626) | |
| (627) | |
| (628) | |
| (629) | |
| (630) | |
| (631) | |
| (632) | |
| (633) | |
| (634) | |
| (635) | |
| (636) | |
| (637) | |
| (638) | |
| (639) | |
| (640) | |
| (641) | |
| (642) | |
| (643) | |
| (644) | |
| (645) | |
| (646) | |
| (647) | |
| (648) | |
| (649) | |
| (650) | |
| (651) | |
| (652) | |
| (653) | |
| (654) | |
| (655) | |
| (656) | |
| (657) | |
| (658) | |
| (659) | |
| (660) | |
| (661) | |
| (662) | |
| (663) | |
| (664) | |
| (665) | |
| (666) | |
| (667) | |
| (668) | |
| (669) | |
| (670) | |
| (671) | |
| (672) | |
| (673) | |
| (674) | |
| (675) | |
| (676) | |
| (677) | |
| (678) | |
| (679) | |
| (680) | |
| (681) | |
| (682) | |
| (683) | |
| (684) | |
| (685) | |
| (686) | |
| (687) | |
| (688) | |
| (689) | |
| (690) | |
| (691) | |
| (692) | |
| (693) | |
| (694) | |
| (695) | |
| (696) | |
| (697) | |
| (698) | |
| (699) | |
| (700) | |
| (701) | |
| (702) | |
| (703) | |
| (704) | |
| (705) | |
| (706) | |
| (707) | |
| (708) | |
| (709) | |
| (710) | |
| (711) | |
| (712) | |
| (713) | |
| (714) | |
| (715) | |
| (716) | |
| (717) | |
| (718) | |
| (719) | |
| (720) | |
| (721) | |
| (722) | |
| (723) | |
| (724) | |
| (725) | |
| (726) | |
| (727) | |
| (728) | |
| (729) | |
| (730) | |
| (731) | |
| (732) | |
| (733) | |
| (734) | |
| (735) | |
| (736) | |
| (737) | |
| (738) | |
| (739) | |
| (740) | |
| (741) | |
| (742) | |
| (743) | |
| (744) | |
| (745) | |
| (746) | |
| (747) | |
| (748) | |
| (749) | |
| (750) | |
| (751) | |
| (752) | |
| (753) | |
| (754) | |
| (755) | |
| (756) | |
| (757) | |
| (758) | |
| (759) | |
| (760) | |
| (761) | |
| (762) | |

白山黑水

长白山，山顶上白雪皑皑，
黑龙江，江水黑得这样深邃。

这就是我们

可爱的东北边陲。

牡鹿林中跃，

瀑布山谷飞；

昔日火山口，

化作夜光杯。

盛满民族情，

盛满碧池水。

美景如画胜美酒，

游人到此已陶醉。

啊，可爱的边疆，

可爱的东北！

长白揽胜

你读到过这样一首诗吗？

白河两岸景佳幽，碧水悬崖万古留。
疑似龙池喷瑞雪，如同天际挂飞流。
不须鞭石渡沧海，直可乘槎同斗牛。
欲识林泉真乐趣，明朝结伴再来游。

这首古人写的诗，所描绘的就是长白山的景色。

长白山是中朝边境地区最大和最高的山脉。说它大，东北三省的许多大山都属于长白山系。它的主体在吉林省东南角，然而它往北延伸，便成了张广才岭和老爷岭，一直绵延到松花江边；向南延伸，又成了千山，直达辽东半岛。说它高，长白山的各座山峰，高度最低的为二百多米，最高的达到2600米。正是由于它高，又加上东北地区冬季长，气温低，所以山顶上一年里有很长时间积雪不化，长白山就因此而得名。

不过，假如你认为长白山上有积雪，会显得荒凉，那就错了。恰恰相反，长白山有着极为丰富的森林，那里是一个莽莽苍苍、色彩斑斓的世界。再加上明镜般的湖泊、珠帘般的飞瀑，假如你置身于其间，一定会为它的美所陶醉。

好吧，现在就让我们去长白山观赏游览一番。

从吉林省的省城长春市向东乘火车或汽车行数百里，便进入长白山区。这时，你可以远望那天际的一座座巍峨的雪峰。它们是那么庄严，那么圣洁，就像一朵朵闪闪发光的雪莲。时有云雾飘来，半遮长白山的容颜，使它更带有一种神秘的色彩。此时的长白山，就像一位害羞的少女，雪峰是她头上的银冠，云雾是她身披的薄纱，显得格外妩媚动人。忽而云雾散开，雪峰的轮廓鲜明地映在蓝天上，看上去就像用白玉砌成的金字塔，令人心驰神往。



走近山脚下，可以看到那里的树木长得特别茂密，有红松、紫杉、青榆、黄波罗等，都是那么生机蓬勃。这里的红松特别高，直插云天，树干笔直，粉红色的枝干配上深绿色的针叶，非常美丽，难怪人们称它为长白美人松。

茂密的树林组成了长白林海。走进林海，只见绿

荫蔽天遮地，空气中充满潮湿的清香。这里的森林在不同季节里景象不同：春天，万木发芽，柳色淡绿，望去朦胧如烟；夏天，树木枝繁叶茂，仿佛搭起了一顶顶绿色篷帐；秋天，各种树木的叶子由于受到气候变化的影响，变得五彩缤纷。特别是当受到寒流袭击后，槭树叶子有的变得火红，有的变得金黄；而水曲柳叶子仍然是那样嫩黄；只有山毛榉与冷杉等叶色依旧，一个绿油油，一个青森森，大有在寒流前面不改色的英雄气概。当你漫步在林荫道上，仿佛走进了长长的画卷。

往上爬去，景色就会发生变化。你只要看那岳桦树，在山脚时它长得很密；往上走，可以看见它顺着山坡倾倒；再往上走，它变得又矮又弯，树叶也变小了。到了2 000米处，岳桦几乎看不见了，其他树也少见了，只有低矮的灌木，以及苔藓、地衣等。这里已经属于高山苔原带。可不是，那一大片苔藓仿佛是铺着的一大块地毯。然而，即使到了这个高度，也丝毫没有凄凉之感。你看，六七月间，苔原上鲜花盛开，仿佛在绿地毯上绣出许多花儿；就是到了深秋，这里的景象也别具一格。一种叫“越桔”的植物，一到深秋便结出鲜红的果实，如同樱桃一般。于是整个苔原便成了一块红地毯。这种越桔，不但美丽，而且甘甜可口。有人用它来泡酒，酒也染上了红色，仿佛红高粱

一般，不用喝就醉了。

到了长白山顶，植物更稀少了，只见岩石峥嵘，浓雾弥漫。这里的雾是很有名的，几乎天天有雾，雾大的时候对面不见人。置身在云雾之中，仿佛到了仙境，而更有趣的是在雾气刚散开时向四周望去，可见到一片云海。山峰就像海上的岛屿，别有一番风味。

在长白山的林海里，有着丰富的宝藏。人们常说吉林有三宝：人参、貂皮、鹿茸角。这三宝就产在长白林海之中。此外，森林里还有党参、黄芪、木灵芝、瑞香和草苁蓉等三百多种珍贵药材，所以人们常把长白山称为“药材之山”。

长白山里还有着种类繁多的野生动物。在密密的山林里，栖息着许多名贵的禽兽。有凶猛的东北虎、金钱豹，还有狐狸、紫貂、梅花鹿、黑熊、水獭、麝、松鼠等，它们的毛皮都是十分名贵的。还有各种美丽的鸟儿，如大杜鹃、三宝鸟、茶腹鶲、黄鹂、榛鸡、苍鹰等。

其实，长白山的森林本身也是一笔可观的财富。这里的各种松树、杉树、白桦、山杨等，都是枝干高大挺直，有的高达 30 米以上，是建筑、造船、造纸的宝贵材料。

为了保护这一带的自然资源，从 1960 年起建立了“长白山自然保护区”。

长白山是迷人的，然而最迷人的还要算长白山主峰白头山上的天池。如果你有兴趣的话，就继续看下面一篇，它会给你做详细介绍的。了解了长白山和天池的景象，再回过头来重读本文开头引的那首诗，你一定会有更深的感受。

天 池 神 韵

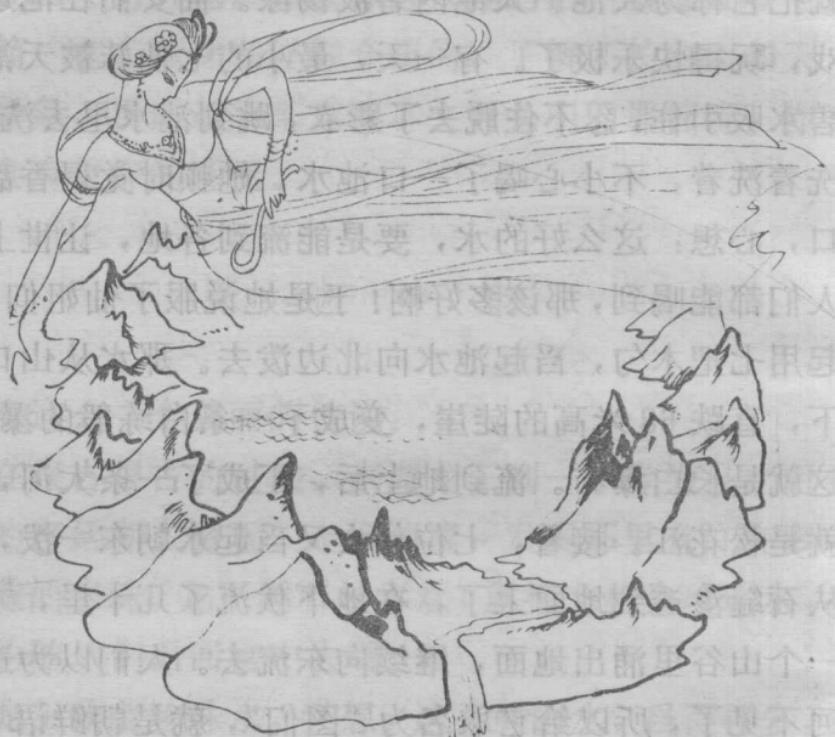
有这么一个美丽的传说：

在很古很古的时候，东海龙王到一个专为自己而设置的宫廷湖去游玩。走到湖滨，发现那里有许许多多晶莹的水珠。龙王越看越喜欢，就把它称为珍珠水，命他的随从们舀回宫中去喝。

龙王饮着珍珠水，又想：这么好的水，舀得再多，也会喝完，要是能找到它的源头，那不就能取之不尽了吗？于是他命令鱼兵虾将们到五湖四海去寻找，可是找了好久也没发现珍珠水的源头。龙王正在焦急，忽然来了一名鱼兵，说是在东北的一个偏僻角落，发现一座高大的山峰。山顶上挂着一条闪亮闪亮的瀑布，那水珠一颗颗就跟珍珠一般。龙王一听可高兴啦，这肯定就是珍珠水的源头。他连忙向玉帝禀报。

这一来可热闹啦，天宫里的仙人都想到那里去看一看。有七个仙女没有得到主母娘娘的允许，就偷偷

溜到那里去。一看，果然那里有一个很大的湖，她们就把它称为天池。天池内碧波荡漾。仙女们在池边嬉戏，玩得快乐极了。有一天，最小的七仙妹被天池的碧水吸引住，忍不住脱去了彩衣，跳到池水里去洗澡。洗着洗着，不小心喝了一口池水，她顿时觉得香甜可口，心想：这么好的水，要是能流到各地，让世上的人们都能喝到，那该多好啊！于是她说服了仙姐们，一起用七把木勺，舀起池水向北边泼去。那水从山口流下，直跌 68 米高的陡崖，变成了一条白练般的瀑布，这就是长白瀑布。流到地上后，汇成了一条大河，那就是松花江。接着，七位仙女又舀起水朝东一泼，水从石缝渗透到地面上了，在地下伏流了几十里，才从一个山谷里涌出地面，继续向东流去。人们以为这条河不见了，所以给它取名为“图们”，就是朝鲜语“跑没了”的意思。仙女们再舀起第三勺水泼向西南方。这股水绕过重重的山峰直奔大海，就是鸭绿江。



天池的传说是美丽的，其实天池的风景更美丽。天池确实有着奇特的神韵，那是大自然造就的奇迹。

天池位于长白山主峰白头山上。长白山一带是历史上火山活动的激烈地区。白头山就曾经是一座火山，天池就是火山的喷火口。后来，白头山的火山活动减弱了。喷火口平静了，天长日久，积满了水，就变成了一个火口湖。它高达海拔2 194米，面积有9平方公里，是椭圆形，平均水深204米。你也许会认为火山口遗留下来的湖一定很荒芜吧。恰恰相反，特殊的火

山地形，长期经历风雨的精工雕琢，成了奇异的景观。

看，天池周围有 16 座山峰。著名的有：鹿鸣峰、鹰嘴峰、卧虎峰、龙门峰、白云峰、玉雪峰、青石峰、白岩峰等。一个个巍峨雄伟，就像 16 位英姿勃发的勇士，在保卫着美丽的天池。在这 16 座山峰中最高的是白云峰，有海拔 2 691 米，是东北地区的第一高峰。由于它经常云雾缭绕而得名，望上去庄严而又神秘。鹿鸣峰又名芝盘峰，近旁有一块圆形的绿色草甸。那里常有热气冒出，因此到寒冬不积雪，依旧保持它原来的面貌。鹰嘴峰的峰顶就像鹰的嘴巴，伸向天池，仿佛也被甘甜的池水所陶醉。白岩峰和青石峰各以不同颜色的岩石组成：白岩峰遍身白黄色，青石峰则满是青色玄武石，像青、白两根玉柱，遥遥相对。玉雪峰的岩石色如白玉，加上积雪，雪与石分不清楚，因而得名。那里经常积雪十余丈，山下还有好多冰穴。冰穴里居然冒出缕缕烟雾，仿佛是仙人炼丹之地，更增添了神秘的色彩。龙门与卧虎两峰，气势雄壮，护卫着天池。

16 座山峰座座都栩栩如生，充满动感；而天池则嵌在它们之中，静静地躺着，这静与动的结合，构成了无比美丽的诗与画的境界。青山和白云映在碧水中，水中有云，云中有山，景色十分美丽。

当然，天池并不永远都是那么安静。那里的气候